शुक्रवार

11 जुलाई 2025

- देहरादून
- वर्ष 33
- अंक 156
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

33 साल से देहरादून का विश्वास

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

ऑपरेशन कालनेमि:25 ढोंगी बाबा गिरफ्तार

बाबा बनकर घूम रहा बांग्लादेशी धर दबोचा

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने ऑपरेशन कालनेमि चलाते हुए 25 ढोंगी बाबाओं को गिरफ्तार कर लिया है। जिनमें से एक ढोंगी बाबा बांग्लादेशी निकाला। पुलिस ने सभी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी है।

एसएसपी अजय सिंह द्वारा बताया गाय कि देवभूमि में धर्म की आड में लोगो की भावनाओं व आस्थाओं से खिलवाड करते हुए उनके साथ धोखाधडी करने वाले छदम् भेषधारियों के खिलाफ मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड के निर्देशों पर 'ऑपरेशन कालनेमि' प्रारम्भ किया गया है।

उक्त निर्देशों के क्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह द्वारा सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने थाना क्षेत्रों में ऐसे व्यक्यिों, जो साधु-संतों का भेष धारण कर लोगो को उनकी व्यक्तिगत अथवा घरेलु समस्याओं का निदान करने का प्रलोभन देते हुए उन्हें वशीभूत करते हुए उनके साथ ठगी की घटनाओ को अजांम देते है, को चिन्हित करते हुए उनके खिलाफ कठोर कार्यवाही के निर्देश दिये गये, साथ ही आज वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह द्वारा स्वयं नेहरूकालोनी क्षेत्र में जाकर साधु-संतों का भेष धारण कर सडक किनारे बैठे व्यक्तियों से व्यक्तिगत रूप से पूछताछ की गई, तो अपने प्रोफेशन के सम्बंध में उक्त व्यक्ति कोई सन्तोष जनक उत्तर नही दे पाये और न ही ज्योतिष शास्त्र की शिक्षा से सम्बन्धित कोई दस्तावेज प्रस्तुत कर पाये, जिस पर एसएसपी अजय सिह के निर्देश पर उक्त सभी व्यक्तियों को पुलिस द्वारा मौके से गिरफ्तार किया गया।

अभियान के दौरान विभिन्न थाना क्षेत्रों में पुलिस द्वारा साधु-संतों के भेष में घूम रहे 25 ढोंगी बाबाओं को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें से सहसपुर क्षेत्र में बाबा के भेष में घूम रहा 1 बाग्लादेशी नागरिक भी पुलिस की गिरफ्त में आया, जिसके खिलाफ थाना सहसपुर पर मुकदमा दर्ज किया गया है। साथ ही एल.आई. यू. तथा आई.बी. की टीमों द्वारा बांग्लादेशी नागरिक से पूछताछ की जा रही है। गिरफ्तार ढोंगी बाबाओ में 20 से अधिक व्यक्ति अन्य राज्यो के रहने वाले हैं। जिन्होंने अपने नाम रूकन रकम उर्फ शाह आलम, निवासी ग्राम साखीपुर, जिला टंगाईल, ढाका, बांग्लादेश, प्रदीप निवासी सुनहरी खडखडी थाना गागालेहडी जिला सहारनपुर, अजय चौहान निवासी कल्याणपुर थाना बरबीगा सेखपुरा, सहारनपुर, अनिल गिरी निवासी हिमाचल प्रदेश, मंगल सिंह निवासी शिवाजी मार्ग, कांवली रोड, रोझा सिंह निवासी शिवाजी मार्ग कांवली रोड, कोमल कुमार निवासी सासनी, हाथरस,अश्वनी कुमार निवासी, हाथरस, राजानाथ निवासी मोथरोवाला सपेरा बस्ती, थाना नेहरू कॉलोनी, रामकृष्ण पुत्र जयालाराम, निवासी जगाधरी यमुनानगर हरियाणा, शौकी नाथ निवासी हरियाणा, मदन सिंह सामंत, निवासी ज्वालापुर जिला हरिद्वार, राहुल जोशी निवासी लोहियानगर, ब्रहमपुरी, पटेलनगर, मोहम्मद सलीम निवासी सब्जी मंडी, शिनभु नाथ निवासी राजस्थान, सुगन योगी निवासी अलवर राजस्थान, मोहन जोगी निवासी दौसा राजस्थान, नवल सिंह निवासी अलवर राजस्थान, भगवान सह दौसा राजस्थान, हरिओम निवासी दौसा राजस्थान, रामकुमार निवासी बुलंदशहर उत्तर प्रदेश, गिरधारीलाल निवासी राजस्थान, अर्जुन दास निवासी होरीयो तुला असम, काकू निवासी हरिद्वार टपरी बस्ती, सुरेश लाल निवासी बलिया उत्तर प्रदेश बताये। पुलिस ने सभी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

पंचायत चुनाव पर सचिव व डीजीपी तलब

❑डॉ. बैजनाथ की याचिका पर हुई सुनवाई
❑विषम परिस्थितियों में चुनाव कैसे होगा

विशेष संवाददाता

देहरादून। पंचायत चुनाव में मतदाताओं के मताधिकार को सुनिश्चित करने और निर्विघ्नम चुनाव संपन्न कराने को लेकर नैनीताल हाई कोर्ट द्वारा सचिव पंचायती राज और डीजीपी उत्तराखंड ने क्या व्यवस्थाएं की है इसकी जानकारी देने के लिए कोर्ट में उपस्थित होने या वर्चुअली उपस्थिति के आदेश दिए गए हैं। इस मामले की अगली सुनवाई 15 जुलाई को होगी।

देहरादून निवासी डा. बैजनाथ की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए सचिव पंचायती राज और डीजीपी उत्तराखंड को निर्देश दिए गए हैं कि वह 15 जुलाई को इस बाबत पूर्ण विवरण के साथ कोर्ट के सामने अपना पक्ष रखें। डा. बैजनाथ द्वारा राज्य में जारी भारी मानसूनी बरसात के कारण बंद पड़ी सड़कों और रास्तों के साथ-साथ कांवड़ यात्रा के कारण रूट डायवर्ट तथा पुलिस प्रशासन की व्यस्तता का हवाला देकर इस बात की आशंका जताई गई थी कि इन परिस्थितियों में मतदाताओं को अपने वोट के अधिकार से वंचित होना पड़ सकता है। इसलिए फिलहाल इन चुनावों को स्थगित कर दिया जाए।

उत्तराखंड की स्टैंडिंग काउंसलिंग द्वारा दलील दी गई कि राज्य में नामांकन की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है ऐसे में अब चुनाव टालना ठीक नहीं होगा। इस पर कोर्ट ने पूछा कि याचिका कर्ता कह रहे हैं कि आपने मतदान सुनिश्चित कराने तथा बिना रुकावट सुरक्षित चुनाव संपन्न कराने के लिए क्या किया है? कोर्ट ने कहा कि पंचायती राज सचिव व डीजीपी 15 जुलाई को वर्चुअली या फिर खुद उपस्थित होकर अपनी तैयारियों की जानकारी दें कि इन विषम परिस्थितियों में जब मानसूनी आपदा के कारण सड़के व रास्ते बंद हैं तथा राज्य में चार धाम यात्रा व कावड़ यात्रा के सुरक्षा प्रबंधों में प्रशासन लगा हुआ है वह किस तरह से बिना किसी रूकावट के चुनाव संपन्न करा सकते हैं? उल्लेखनीय है कि राज्य में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिए 24 व 28 जुलाई को मतदान होना है।

दून वैली मेल

संपादकीय

वोट मुक्त लोकतंत्र का प्रयास

बिहार विधानसभा चुनाव से इन पूर्व निर्वाचन आयोग द्वारा कराई जा रहे विशेष गहन पुर्ननिरीक्षण अभियान को लेकर इन दिनों देश की सियासत में भूचाल आया हुआ है। समूचा विपक्ष इस मुद्दे को न सिर्फ सड़कों पर लेकर उतर आया है बल्कि 10 दलों द्वारा इसे लेकर देश की सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया गया जिस पर बीते कल की गई सुनवाई में भले ही सुप्रीम कोर्ट ने रोक न लगाई गई हो लेकिन चुनाव आयोग को किसी भी तरह की राहत भी नहीं दी गई। जस्टिस सुधांशु धूलिया और जस्टिस जाय माला बागची की पीठ ने चुनाव आयोग की इस कार्रवाई पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। पीठ का कहना है कि हम किसी भी संवैधानिक संस्था को वह करने से रोक नहीं सकते हैं जो उसे करना चाहिए लेकिन हम वह भी नहीं करने देंगे जो नहीं करना चाहिए। पीठ ने इस बात पर हैरानी जताई है कि इस मतदाता सूची के विशेष पुर्ननिरीक्षण अभियान के तहत मतदाता होने के लिए जो 11 प्रमाण पत्र मांगे गए हैं उन प्रमाण पत्रों को सामान्य लोग तो दूर वह खुद भी इतने कम समय में अर्जित नहीं कर सकते हैं। कोर्ट ने इस बात पर भी हैरानी जताई है कि इस सूची में आधार कार्ड, वोटर कार्ड आईडी और राशन कार्ड जैसे दस्तावेजों को भी मान्य नहीं माना गया है। पीठ ने कहा है कि इन्हें आयोग स्वीकार्य दस्तावेज माने। यही नहीं पीठ द्वारा आयोग की इस कार्रवाई के नाम पर नागरिकता प्रमाण की जांच की कार्यवाही बताते हुए यहां तक कह दिया है कि यह कार्य चुनाव आयोग के कार्य क्षेत्र और अधि कार में नहीं आता है बल्कि यह तो केंद्रीय गृह मंत्रालय का विषय है। मतदाता पहचान पत्र और नागरिकता दोनों अलग-अलग विषय हैं। विपक्षी दलों का आंदोलन जो चुनाव आयोग की इस कार्यवाही के खिलाफ किया जा रहा है इसका मुख्य आधार भी यही है कि चुनाव आयोग द्वारा मतदाताओं से जो प्रमाण पत्र मांगे जा रहे हैं वह उनके पास है नहीं और वोटर आईडी आधार कार्ड तथा राशन कार्ड जैसे जो दस्तावेज उनके पास मौजूद है उन्हें चुनाव आयोग मान्यता नहीं दे रहा है। जस्टिस धूलिया ने साफ कहा है कि अगर वह दस्तावेज जो बिना पढ़े लिखे लोगों व मजदूरों से मांगे जा रहे हैं वह अगर उनसे भी मांगे जाए तो वह खुद भी इन दस्तावेजों को इतने कम समय में नहीं दे पाएंगे? इन तमाम सवाल जवाबों से चुनाव आयोग की इस कार्यवाही के पीछे जो न चुनाव से पूर्व की जा रही है उसकी मशां पर सवाल उठना लाजिमी है। एक सवाल यह भी उठ रहा है कि क्या आयोग द्वारा की जाने वाली यह कार्यवाही आयोग कर रहा है या फिर केंद्र सरकार के द्वारा कराई जा रही है। बिहार में इसी साल नवंबर में चुनाव होने हैं। आयोग को अगर देश के मतदाताओं की सूची का गहन विशेष पुर्ननिरीक्षण करना ही था तो इसे बिहार से क्यों शुरू किया गया जहां चुनाव होने वाले हैं। आयोग अगर सत्ता के लिए काम नहीं कर रहा है तो वह इसे किसी अन्य राज्य से भी शुरू कर सकता था। एक अनुमान के अनुसार राज्य के एक करोड़ से अधिक वह मतदाता जो बाहर मजदूरी करते हैं तथा बिना पढ़े लिखे हैं चुनाव आयोग द्वारा मांगे जाने वाले दस्तावेज पेश न कर पाने के कारण अपने मत के संवैधानिक अधिकार से वंचित हो जाएंगे या कर दिए जाएंगे। अब इस मामले की सुनवाई के लिए 28 जुलाई की तारीख तय की गई है कोर्ट ने आयोग से तीन सवालों के जवाब मांगे हैं जिसमें पहला सवाल है कि क्या आयोग के पास मतदाता सूची में संशोधन का अधिकार है दूसरा सवाल है कि आयोग ने मतदाता सूची के पुर्ननिरीक्षण के लिए जो प्रक्रिया अपनाई है वह क्या है। आयोग को इस प्रक्रिया को पूरा करने में कितना समय लगेगा यह भी हैरान करने वाली बात है कि चुनाव आयोग जो कर रहा है उसके बारे में कोर्ट को जानकारी देने के लिए भी महीनो का समय चाहिए जब चुनाव आयोग को यह पता था कि बिहार में नवंबर में चुनाव है तो उसे मतदाता सूचियों में संशोधन की याद क्यों नहीं आई? सवाल यह है कि क्या देश के लोकतंत्र को भी वोट मुक्त लोकतंत्र बनाने की कोशिश से की जा रही है?

कैबिनेट मंत्री जोशी ने किया केन्द्रीय मंत्री मांडविया का स्वागत

संवाददाता

देहरादून। कृषि व ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने केन्द्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया का स्वागत किया।

आज यहां प्रदेश के कृषि एवं ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने मसूरी में केंद्रीय श्रम एवं रोजगार तथा युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया का उत्तराखण्ड आगमन पर स्वागत एवं अभिनंदन किया। उन्होंने हाउस ऑफ हिमालयास के स्थानीय उत्पादों से निर्मित किट भी भेंट की। इस दौरान मंत्री जोशी ने केंद्रीय खेल मंत्री से मसूरी भिलाड़ू में बहुप्रतीक्षित खेल मैदान के लिए भी केंद्र का सहयोग मांगा। केंद्रीय मंत्री डॉ. मांडविया ने इस पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। इस अवसर पर मसूरी नगर पालिका अध्यक्ष मीरा सकलानी भी उपस्थित रही।

डॉग ब्रीडर्स व पेट शॉप का अनिवार्य रूप से हो पंजीकरण: डीएम

संवाददाता

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बसंल ने कहा कि डॉग ब्रीडर्स व पेट शॉप का पंजीकरण अनिवार्यता: से हो।

आज यहां जानवरों पर अत्याचार की रोकथाम के लिए जिलाधिकारी सविन बंसल की अध्यक्षता में ऋषिपर्णा सभागार में जनपदीय पशु क्रूरता निवारण समिति की बैठक हुई। जिसमें पिछली बार लिए गए निर्णयों और कार्यान्वित गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की गई तथा पशु क्रूरता के मामलों को कम करने और पशु कल्याण को बढ़ावा देने हेतु किए जा रहे प्रयासों पर चर्चा हुई। जिलाधिकारी ने पशु कल्याण संगठनों, स्थानीय निकाय प्रशासन और पुलिस विभाग को बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा पशु क्रूरता के मामलों पर प्रभावी ढंग से कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि मसला सिर्फ पशु क्रूरता का नही है, मानवीय संवेदना का भी है। उन्होंने निर्देश दिए कि डॉग ब्रीडर्स एवं पेट शॉप का अनिवार्य रूप से पंजीकरणहो। उन्होंने मुख्य नगर अधिकारी, अधिशासी अधिकारियों और सीवीओ को सख्ती के साथ इसका अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कहा कि शहर में बिना पंजीकरण के अवैध तरीके संचालित पेट शॉप को तत्काल बंद कराया जाए। जिलाधिकारी ने एसडीएम की अध्यक्षता में सीवीओ, नगर निगम और खाद्य सुरक्षा अधिकारी की समिति गठित करते हुए नगर निकाय क्षेत्रान्तर्गत संचालित अपंजीकृत डेयरियों और अवैध मीट शॉप का भी विस्तृत सर्वे कराने के निर्देश दिए है। ताकि बिना पंजीकरण और लाइसेंस के संचालित अवैध मीट शॉप के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई अमल में लाई जा सके। जिलाधिकारी ने गठित समिति को निर्देशित किया कि नगर क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित मीट शॉप का सर्वे करते हुए 15 दिनों में इसकी रिपोर्ट उपलब्ध करें। जिलाधि कारी ने पशु क्रूरता रोकथाम के लिए पुलिस, पशु क्रूरता निवारण सोसायटी और मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी की अलग से बैठक कर आपसी समन्वय के साथ व्यावहारिक समस्याओं का शीघ्र समाधान करने के निर्देश भी दिए।

संयुक्त नागरिक संगठन ने महावीर व गिरीश को उपाध्यक्ष किया मनोनीत

संवाददाता

देहरादून। संयुक्त नागरिक संगठन ने कार्यकारी उपाध्यक्षों के पद पर अखिल भारतीय पूर्व सैनिक परिषद के मेजर महावीर सिंह रावत तथा सचिवालय सेवानिवृत्त पेंशनर संगठन के गिरीश चंद्र भट्ट को मनोनीत किया गया।

आज यहां संयुक्त नागरिक संगठन द्वारा नेमी रोड पर आयोजित बैठक की अध्यक्षता ब्रिगेडियर के जी बहल ने की। इस अवसर पर संरक्षक डॉक्टर एस फारूख, सचिव देवेंद्र पाल मोंटी,मेजर महावीर सिंह रावत, सुशील त्यागी, कैप्टन गौरव रावत, डॉक्टर आरके बक्शी,डॉक्टर राकेश डंगवाल,उमेश्वर सिंह रावत, गिरीश चंद्र भट्ट, दिनेश भंडारी, मुकेश नारायण शर्मा,शक्ति प्रसाद डिमरी,प्रदीप कुकरेती आदि पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक में संगठन के कार्यकारी उपाध्यक्षों के पद पर अखिल भारतीय पूर्व सैनिक परिषद के मेजर महावीर सिंह रावत तथा सचिवालय सेवानिवृत्त पेंशनर संगठन के गिरीश चंद्र भट्ट को मनोनीत किया गया।

बैठक में आजादी की 78 वीं वर्षगांठ पर जिलाधिकारी सविन बंसल के द्वारा जनहित में अतुलनीय, सराहनीय प्रयासों की सराहना करते हुए वक्ताओं ने इन्हें 'देशभक्त भारतीय प्रशासनिक सेवक' के रूप में सम्मानित करने का निर्णय लिया गया।

स्वच्छता पखवाड़ा: ओएनजीसी व वेस्ट वॉरियर्स ने सफाई साथियों को फर्स्ट एड किट वितरित किये

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत फर्स्ट एड किट वितरण कार्यक्रम का आयोजन नगर निगम कार्यालय, देहरादून में किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन ओएनजीसी, देहरादून एवं वेस्ट वॉरियर्स संस्था द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

कार्यक्रम में महापौर सौरभ थपलियाल, नगर आयुक्त नमामि बंसल, मुख्य नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अविनाश खन्ना, सहायक नगर आयुक्त राजवीर सिंह चौहान एवं ओएनजीसी से अधि कारी श्री अरुण सिंह ने प्रतिभाग किया और सभी सफाई कर्मचारियों को स्वच्छता के क्षेत्र में किए जा रहे उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए सम्मानित किया।

देहरादून शहर में 100 वार्ड हैं, जहाँ लगभग 2,500 सफाई साथी प्रतिदिन शहर को स्वच्छ रखने के कार्य में लगे हुए हैं। सफाई कार्य के दौरान छोटे-मोटे स्वास्थ्य जोखिमों से सुरक्षा के उद्देश्य से इन कर्मियों को फर्स्ट एड किट वितरित की गई। ओएनजीसी के अरुण सिंह ने कहा, हमारे सफाई साथी हमारे समाज के स्वच्छता योद्धा हैं। यह एक छोटा प्रयास है उन्हें स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करने का, जिससे वे और बेहतर ढंग से अपना कार्य कर सकें।

महापौर सौरभ थपलियाल ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि ष्ऐसे आयोजन सफाई कर्मचारियों को आवश्यक संसाधन तो देते ही हैं, साथ ही उनके आत्मसम्मान और मनोबल को भी बढ़ाते हैं।

नवीन कुमार सडाना, सहायक निदेशक, वेस्ट वॉरियर्स संस्था, देहरादून ने कहा, ष्स्वच्छता कर्मचारियों को प्राथमिक चिकित्सा सहायता देना हमारी जिम्मेदारी है और एक समावेशी व सुरक्षित कचरा प्रबंधन प्रणाली की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। ओएनजीसी के साथ मिलकर यह पहल करना हमारे लिए गर्व की बात है। संस्था से स्वाति रतूड़ी, दिव्या, सम्राट आदि उपस्थित रहे।

उड़ने के साथ-साथ पानी में तैरते हैं ये 5 पक्षी, जानिए इनके बारे में

पक्षियों की कई ऐसी प्रजातियां हैं, जो पानी में तैरती हैं। ये पक्षी पानी में तैरने के लिए अपने पैरों और पंजों का इस्तेमाल करते हैं। हालांकि, ये पक्षी उड़ भी सकते हैं और पानी के नीचे भी तैर सकते हैं। इनकी कुछ प्रजातियां तो इतनी अच्छी तैराक होती हैं कि ये पानी के नीचे भी मछलियां पकड़ लेती हैं। आइए आज हम आपको उन पांच पक्षियों के बारे में बताते हैं, जो पानी में तैरते हैं।

पफिन : पफिन एक समुद्री पक्षी है, जो उत्तरी अटलांटिक महासागर के ठंडे पानी में मिलता है। पफिन की सबसे खास बात यह है कि यह अपने पैरों का इस्तेमाल करके पानी के नीचे तैरता है। यह पानी के नीचे मछलियां पकड़ने में माहिर है। पफिन के शरीर पर काले और सफेद रंग होते हैं, जो इसे पानी में छिपने में मदद करते हैं। इसके अलावा पफिन की चोंच बड़ी और रंगीन होती है, जो इसे एक आकर्षक रूप देती है।

फ्लेमिंगो: फ्लेमिंगो एक लंबे पैरों वाला पक्षी है, जो झीलों या दलदली जगहों पर रहता है। फ्लेमिंगो अपने लंबे और पतले पैरों की मदद से पानी में खड़े होकर अपने लंबे मुंह से भोजन करता है। ये पक्षी समूह में रहते हैं और अक्सर एक-दूसरे के साथ नाचते हुए देखे जाते हैं। फ्लेमिंगो का शरीर गुलाबी रंग का होता है, जो उनके खाने में मौजूद कुछ विशेष तत्वों की वजह से होता है। इसलिए इन्हें गुलाबी रंग मिलता है।

बत्तख: बत्तख एक ऐसा पक्षी है, जो दुनिया भर में पाया जाता है। बत्तखें अपने पैरों की मदद से पानी में तैरते हैं और उड़ते भी हैं। बत्तखें अक्सर झीलों, नदियों और दलदली इलाकों में देखी जाती हैं। इनका शरीर मोटा और गोल होता है, जिससे ये पानी में आसानी से तैर सकती हैं। बत्तखें सामाजिक होती हैं और समूह में रहती हैं, जिससे ये एक-दूसरे के साथ मिलकर भोजन करती हैं और सुरक्षा भी पाती हैं।

हंस: हंस एक बड़ा और सुंदर पक्षी होता है, जो ज्यादातर झीलों या नदियों में पाया जाता है। हंस अपने बड़े पंखों और लंबे गर्दन की वजह से पानी में आसानी से तैर सकता है। हंस समूह में रहते हैं और अक्सर एक-दूसरे के साथ मिलकर भोजन करते हैं और सुरक्षा भी पाते हैं। इनके सफेद पंख और लंबे पैर इन्हें पानी में तैरने में मदद करते हैं।

लून: लून एक प्रकार का जलपक्षी है, जो उत्तरी अमेरिका और यूरोप के ठंडे पानी वाली झीलों में पाया जाता है। लून अपने पैरों की मदद से पानी में तैरता है और मछलियां पकड़ता है। लून का शरीर मोटा और गोल होता है, जिससे यह पानी में आराम से तैर सकता है। इसके अलावा लून की आवाज बहुत अनोखी होती है, जो इसे अन्य पक्षियों से अलग बनाती है।

वॉटर रिटेंशन की समस्या को दूर करने में सहायक हैं ये खाद्य पदार्थ

वॉटर रिटेंशन एक ऐसी समस्या है, जिसमें शरीर के ऊतकों में अतिरिक्त पानी जमा हो जाता है। इससे सूजन और असुविधा हो सकती है। यह स्थिति खासकर गर्भावस्था, मासिक धर्म और कुछ बीमारियों के दौरान होती है। सही आहार से इस समस्या को कम किया जा सकता है। इस लेख में हम आपको पांच ऐसे खाद्य पदार्थों के बारे में बताएंगे, जो वॉटर रिटेंशन को दूर करने में मदद कर सकते हैं।

खीरा: खीरा एक ताजगी भरा फल है, जिसमें बहुत अधिक मात्रा में पानी और कम कैलोरी होती हैं। इसमें पोटेशियम भी होता है, जो शरीर से अतिरिक्त नमक निकालने में मदद करता है। यह शरीर को पानी की कमी से बचाने और त्वचा को निखारने में भी सहायक है। खीरे का सेवन सलाद या नाश्ते के रूप में किया जा सकता है। इसके अलावा खीरे का जूस भी पी सकते हैं, जिससे शरीर को ठंडक मिलती है।

तरबूज: तरबूज गर्मियों का एक लोकप्रिय फल है, जिसमें बहुत अधिक पानी होता है। यह शरीर को तरोताजा रखने के साथ-साथ पोटेशियम और विटामिन-सी भी प्रदान करता है। इसमें कम कैलोरी होती हैं, जिससे वजन नियंत्रित करने में मदद मिलती है। तरबूज का सेवन सलाद या रस के रूप में किया जा सकता है, जिससे शरीर को ठंडक मिलती है और वॉटर रिटेंशन कम होता है। इसके अलावा यह पाचन तंत्र को भी सुधारता है।

केले : केला एक पोषक तत्वों से भरपूर फल है, जो पोटेशियम का अच्छा स्रोत होता है। पोटेशियम नमक के प्रभाव को संतुलित करता है, जिससे वॉटर रिटेंशन कम होता है। केले में विटामिन-बी6 भी होता है, जो पाचन क्रिया को सुधारता है और सूजन को कम करता है। इसका नियमित सेवन शरीर को ऊर्जा प्रदान करता है और थकान दूर करता है। इसलिए इसे अपनी खान-पान में शामिल करना फायदेमंद हो सकता है।

योगर्ट : योगर्ट में ऐसे तत्व होते हैं, जो पाचन क्रिया को सुधारते हैं और सूजन को कम करते हैं। इसमें कैल्शियम भी होता है, जो हड्डियों को मजबूत बनाता है और मांसपेशियों की थकान दूर करता है। योगर्ट का नियमित सेवन आपके पेट को स्वस्थ रखता है और शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाता है। इसके अलावा योगर्ट का सेवन त्वचा की चमक बढ़ाने में भी मदद करता है, जिससे आप तरोताजा महसूस करते हैं।

अदरक: अदरक एक ऐसा मसाला है, जिसका उपयोग कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं के इलाज में किया जाता है। यह सूजन को कम करने वाले गुणों से भरपूर होता है, जो सूजन को कम करते हैं और पाचन क्रिया को सुधारते हैं। अदरक का सेवन चाय या खाने में किया जा सकता है, जिससे शरीर को ऊर्जा मिलती है और वॉटर रिटेंशन कम होता है। इसके अलावा अदरक का सेवन त्वचा की चमक बढ़ाने में भी मदद करता है।

एनसीसी कैडेट्स की भर्ती सम्पन्न

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। सेंट ऐंस सीनियर सेकेंडरी स्कूल, रुड़की में वरिष्ठ स्कंध व कनिष्ठ स्कंध एनसीसी कैडेटस की भर्ती आयोजित की गई। भर्ती कार्यक्रम का निरीक्षण 84 उत्तराखंड बटालियन एनसीसी, रुड़की के कमान अधिकारी कर्नल रामाकृष्णन रमेश द्वारा किया गया। इस दौरान सेंट ऐंस सीनियर सेकेंडरी स्कूल, रुड़की में कनिष्ठ स्कंध एनसीसी के एक ट्रूप की स्थापना कर दी गई व दोनो स्कन्धों में एनसीसी कैडेटस की भर्ती भी आयोजित की गई।

इस अवसर पर विद्यालय की प्रबंधन समिति द्वारा कर्नल साहब से देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा चलाई जा रही मुहिम 'एक पेड़ मां के नाम' के क्रम में विद्यालय प्रांगण में पौधारोपित करवाया गया। विद्यालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कर्नल रामकृष्णन रमेश द्वारा उपस्थित छात्राओं को एनसीसी का उनके भविष्य के लिए मील का पत्थर साबित होना बताया व उनके चहुमुखी विकास के लिए आवश्यक होना बताया।

अपने उद्बोधन में उनके द्वारा बताया गया कि आजकल के छात्र-छात्राएं शारीरिक खेलों से अधिक मोबाइल, लैपटॉप इत्यादि पर ज्यादा व्यस्त रहते हैं परंतु एनसीसी के माध्यम से उन्हें शिक्षा के साथ-साथ ही अपने शारीरिक विकास व एनसीसी के माध्यम से देश सेवा करने का भी अवसर प्राप्त होने की प्रबल संभावना है। उन्होंने बताया की एनसीसी कैडेट्स हमेशा अनुशासित होते हैं व दूसरों के लिए पथ प्रदर्शक की भूमिका निभाते हैं।

इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या सिस्टर रानी सीरियक द्वारा आए हुए अतिथियों का स्वागत किया गया व विद्यालय को कनिष्ठ स्कंध एनसीसी आवंटन पर कमान अधिकारी को धन्यवाद किया गया । इस अवसर पर बटालियन से सूबेदार मेजर अमर सिंह, सीनियर ट्रेनिंग को-ऑर्डिनेटर रवि कपूर, वाइस प्रिंसिपल सिस्टर भावना क्रिस्टी, मैनेजर सिस्टर बिंदु फिलिप, कॉर्डिनेटर लिजी फिलिप्स, सीनियर विंग केयरटेकर शाहीन परवीन, जूनियर विंग केयरटेकर दीपमाला, खेल प्रशिक्षक विवेक, इंस्ट्रक्टर पपेन्द्र बिष्ट, सूबेदार राजेश, हवलदार जगत सिंह आदि उपस्थित रहे।

कैबिनेट मंत्री ने क्षतिग्रस्त दीवार की त्वरित मरम्मत के दिये निर्देश

संवाददाता

देहरादून। कैबिट मंत्री गणेश जोशी ने बाला सुदंरी मंदिर के पास बारिश से क्षतिग्रस्त हुई दीवार की त्वरित मरम्मत करने के निर्देश अधिकारियों को दिये। मसूरी विधानसभा क्षेत्र के देहरादून कैनाल रोड स्थित बाला सुंदरी मंदिर के पास भारी बारिश के चलते क्षतिग्रस्त हुई दीवार की सूचना मिलने पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने प्रात: मौके पर पहुंचकर स्थिति का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मंत्री जोशी ने संबंधित विभागीय अधिकारियों से दूरभाष पर बात कर मुख्य मार्ग से लगी क्षतिग्रस्त दीवार के पुनर्निर्माण कार्य को शीघ्र शुरू करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष प्रदीप रावत, पूर्व पार्षद कमल थापा, अमित कुमार, नरेश पुंज, राजेश्वर, सुरेंद्र राणा, सोनू, आशुतोष, आशीष थापा, रितेश अग्रवाल, दीपक कुकरेती सहित कई स्थानीय कार्यकर्ता एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

एनडीआरएफ की टीमों ने रुद्रप्रयाग में किया पौधारोपण

संवाददाता

देहरादून। एनडीआरएफ की टीमों ने सोनप्रयाग व रूद्रप्रयाग में केन्द्रीय विद्यालयों में पौधारोपण किया। इसमें विभिन्न प्रजाति के 193 पौधे लगाये गये।

आज यहां सुदेश कुमार ड्राल, कमांडेंट 15 एनडीआरएफ के नेतृत्व में, एनडीआरएफ की टीमों ने एक बार फिर से अपने कर्तव्य के प्रति समर्पण और पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया है। अपनी चारधाम यात्रा ड्यूटी के दौरान, एनडीआरएफ की टीमों ने वन विभाग और स्थानीय ग्रामीणों के साथ मिलकर एक सफल पौधारोपण अभियान चलाया।

राजकीय प्राथमिक विद्यालय, झोसी किमान और राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, सोनप्रयाग में आयोजित इस पौधारोपण अभियान में कुल 193 पौधे लगाए गए। इनमें देवदार, बुरांस, तेज पत्ता, टूना, आंवला, रोबानिया और रीठा जैसे पौधे शामिल थे, जो न केवल पर्यावरण की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका

निभाते हैं, बल्कि स्थानीय लोगों को भी पेड़ लगाने और संरक्षण के महत्व के बारे में जागरूक करते हैं।

एनडीआरएफ की टीमें चारधाम यात्रा ड्यूटी के दौरान विभिन्न स्थानों पर ऐसे पौधारोपण अभियान आयोजित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो एक हरित और अधिक स्थायी भविष्य को बढ़ावा देती हैं। यह पहल एनडीआरएफ के राष्ट्र सेवा और भविष्य की पीढ़ियों के लिए ग्रह की रक्षा के प्रति समर्पण को दर्शाती है। इस पौधारोपण अभियान में सुनील कुमार सहायक कमांडेंट, निरीक्षक अमृत लाल मीना और उप निरीक्षक संजय भट्ट उपस्थित थे। उनकी उपस्थिति ने इस पहल को और भी महत्वपूर्ण बना दिया। एनडीआरएफ की इस पहल से न केवल पर्यावरण संरक्षण में मदद मिलेगी, बल्कि स्थानीय लोगों में भी जागरूकता पैदा होगी। आइए हम सभी मिलकर एक हरित और स्थायी भविष्य की दिशा में काम करें।

सुबह सोकर उठते ही भूलकर भी ना करें ये काम, हो सकता है खतरनाक!

दिनभर एनर्जेटिक बने रहने के लिए यह जानना जरूरी है कि सुबह उठने के बाद आप क्या करते हैं, ताकि आप स्वस्थ रह सकें। विशेषज्ञों का कहना है कि सुबह की कुछ गलतियां आपके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकती हैं। इसलिए सुबह उठने के बाद आपको कुछ गलतियां करने से बचना चाहिए। अगर आप इन गलतियों को सुधार लें तो आप एक अच्छी जीवनशैली अपना सकते हैं और दिनभर एनर्जेटिक बने रह सकते हैं।।

सुबह उठते समय आपको कौन सी गलतियां नहीं करनी चाहिए?

पीठ को मोड़ना- कुछ लोग सुबह उठते समय अपनी पीठ को मोड़कर उठते हैं। हालांकि, इस तरह से उठने से मांसपेशियों में दर्द होने की संभावना होती है। इसलिए सुबह उठते समय दाईं ओर और धीरे-धीरे उठना बेहतर होता है। इससे शरीर के उन हिस्सों में रक्त संचार बेहतर होता है जो रात भर निष्क्रिय रहे हैं और परिणामस्वरूप आप पूरे दिन एनर्जेटिक रहेंगे।

सुबह उठते ही मोबाइल फोन चलाना - कई लोग सुबह उठते ही मोबाइल फोन चलाने लगते हैं। ऐसा करना नुकसानदायक हो सकता है। सुबह उठते ही मोबाइल

फोन चलाने से आप कई गलत खबरें देख सकते हैं, जिससे आपका मूड खराब हो सकता है, जो आपकी सेहत के लिए ठीक नहीं है। इसलिए सुबह उठते ही मोबाइल फोन न चलाएं, जब तक कि कोई इमरजेंसी कॉल या मैसेज न हो। इसके अलावा सुबह उठते ही कुछ देर कोई अच्छी किताब पढ़ने की आदत डालना बेहतर है, क्योंकि इससे आपको कई नई चीजें सीखने में मदद मिल सकती है।

चिंता- कुछ लोग सुबह जल्दी उठ जाते हैं लेकिन ऑफिस के काम और समय पर पहुंचने की चिंता में रहते हैं। हालांकि, ऐसा करने से मानसिक तनाव हो सकता है। इन चिंताओं को दूर करने के लिए आपको रात को खाना बनाने की तैयारी कर लेनी चाहिए और सुबह ऑफिस जाने के लिए कपड़ों का चयन करना चाहिए, ऐसा करने से आप अगली सुबह बिना किसी तनाव के शांति से उठ पाएंगे और अपना काम जल्दी से जल्दी पूरा कर पाएंगे।

नाश्ता न करना- एक अध्ययन के अनुसार , कुछ लोग समय की कमी के कारण नाश्ता छोड़ देते हैं, जो हानिकारक हो सकता है। लेकिन यह आदत प्रतिरक्षा प्रणाली पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है, मोटापे और डायबिटीज जैसी समस्याओं को जन्म दे सकती है। इसलिए नाश्ता न छोड़ें। नाश्ता छोड़ने से कमर की परिधि और बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) दोनों पर अधिक प्रभाव पड़ता है।

एक्सरसाइज की कमी- सुबह एक्सरसाइज करने से पूरे दिन के लिए जरूरी एनर्जी और प्रेरणा मिलती है। हालांकि, आलस्य के कारण लोग एक्सरसाइज नहीं करते। इसके साथ ही कुछ लोग सुबह उठते ही वजन उठाना और भारी व्यायाम करना शुरू कर देते हैं। इससे मांसपेशियों की सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है। नींद के दौरान शरीर में हरकत न होने की वजह से सुबह उठने पर मांसपेशियां और हड्डियां अकड़ जाती हैं। इसलिए मांसपेशियों और हड्डियों को एक साथ न हिलाएं, एक साथ वजन न उठाएं या भारी एक्सरसाइज न करें। इसके बजाय, एक्सरसाइज, योग या ध्यान करने से पहले धीरे-धीरे चलने और थोड़ी देर वार्मअप करने की कोशिश करना बेहतर है। इससे मांसपेशियों को आराम मिलेगा और फिर आप वास्तविक व्यायाम दिनचर्या का पालन कर सकते हैं। (आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

खाने के अलावा कई कामों के लिए इस्तेमाल की जा सकती है हल्दी!

हल्दी एक ऐसा मसाला है, जो लगभग हर रसोई में मौजूद होता है। आमतौर पर हल्दी का उपयोग खाने में किया जाता है, लेकिन इसके कई अन्य अनोखे और उपयोगी फायदे भी हैं। इस लेख में हम आपको हल्दी के कुछ ऐसे बेहतरीन उपयोगों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनके बारे में शायद ही आपने कभी सुना होगा। इन तरीकों से आप हल्दी का इस्तेमाल रोजमर्रा की जिंदगी में कर सकते हैं।

फर्श की सफाई के लिए करें इस्तेमाल

हल्दी में ऐसे गुण होते हैं, जो फर्श की सफाई के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। अगर आप अपने घर के फर्श को कीटाणुमुक्त करना चाहते हैं तो एक बाल्टी पानी में हल्दी पाउडर मिलाकर उससे पोछा लगाएं। इससे न केवल फर्श साफ होगा, बल्कि उसमें एक अच्छी खुशबू भी आएगी। यह तरीका खासतौर पर उन घरों के लिए फायदेमंद है जहां छोटे बच्चे या पालतू जानवर होते हैं।

कपड़ों की रंगत बनाए रखने में है कारगर

एक चुटकी हल्दी का इस्तेमाल कपड़ों की रंगत बनाए रखने के लिए भी किया जा सकता है। अगर आप अपने कपड़ों पर हल्दी का पानी लगाकर धूप में सुखाते हैं तो इससे कपड़ों की रंगत बरकरार रहती है और वे फीके नहीं होते। इसके अलावा हल्दी कपड़ों को कीटाणुओं से भी बचाती है और उनमें एक अच्छी खुशबू छोड़ती है। यह तरीका हल्के रंग के कपड़ों के लिए बहुत प्रभावी है।

घाव और जलने पर लगाएं

हल्दी में ऐसे गुण होते हैं, जो घावों और जलने पर बहुत फायदेमंद होते हैं। अगर आपके हाथ या पैर जल जाएं या कोई छोटा-मोटा घाव हो जाए तो उस पर हल्दी का पेस्ट लगाएं। इससे जलन कम होती है और घाव जल्दी भरता है। इसके अलावा हल्दी त्वचा को संक्रमण से भी बचाती है और ठंडक पहुंचाती है। यह तरीका खासतौर पर गर्मियों में बहुत प्रभावी है।

दांतों की सफाई के लिए करें इस्तेमाल

हल्दी का इस्तेमाल दांतों की सफाई के लिए भी किया जा सकता है। इसमें मौजूद विशेष तत्व दांतों की गंदगी हटाने में मदद करते हैं और उन्हें चमकदार बनाते हैं। ब्रश करते समय अपने टूथपेस्ट में थोड़ा-सा हल्दी पाउडर मिलाएं और फिर ब्रश करें। इससे आपके दांत साफ और स्वस्थ रहेंगे। इसके अलावा हल्दी मुंह की दुर्गंध दूर करने में भी सहायक है और ताजगी महसूस होती है।

त्वचा की देखभाल करें

हल्दी त्वचा की देखभाल करने में भी मददगार साबित हो सकती है। इसमें मौजूद तत्व त्वचा को निखारते हैं और उसे स्वस्थ रखते हैं। एक चम्मच बेसन में आधा चम्मच हल्दी मिलाकर फेस पैक तैयार करें और चेहरे पर लगाएं। 15 मिनट बाद चेहरे को धो लें। इससे आपकी त्वचा ताजगी भरी महसूस होगी और उसमें चमक आएगी। इन तरीकों से आप हल्दी का इस्तेमाल अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में कर सकते हैं।(आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -001

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. बात, घटना, माजरा, मुकदमा (उर्दू) 3. अलावा, अतिरिक्त 6. प्रेम, इच्छा 7. मां का बच्चे के प्रति प्रेम 8. गलती, जुर्म, गुनाह, दोष 10. मग्न, लीन, खुश, प्रसन्न 12. धनुष, समादेश, फौजी टुकड़ी 13. एक कल्पित पत्थर जो लोहे को छूकर सोना बना देता है 16. हिम्मत, साहस, सामर्थ्य 17. बनावटी, अनुकृति, असली का विलोम 18. अबोध, नासमझ 20. ब्रह्मापुत्र एक प्रसिद्ध हरिभक्त देवर्षि 22. गहरा नीला, काला 23. व्याकुल, बेसब्र 24. मन, चित्त, आदरसूचक तथा सहमति सूचक एक शब्द।

ऊपर से नीचे

1. स्वामी, नाथ 2. बेबस, मजबूर, विवश 3. अन्याय, अत्याचार, जुल्म 4. मध्य एशिया का एक देश 5. पुस्तक 9. बहादुर, वीर 11. सैनिक विद्रोह 12. नीच, अधम 12 ए. प्रणाम, झुकना 13. भरण-पोषण करना, परवरिश करना, छोटा झूला, हिंडोला 14. प्रमाण, प्रमाणिक कथन 15. स्वाभाविक ढंक, योग्यता, लियाकत, सभ्यता और शिष्टता, शऊर (उ.) 19. बिजली, तड़ित 21. रात में दिखाई न पड़ने का नेत्र संबंधी रोग।

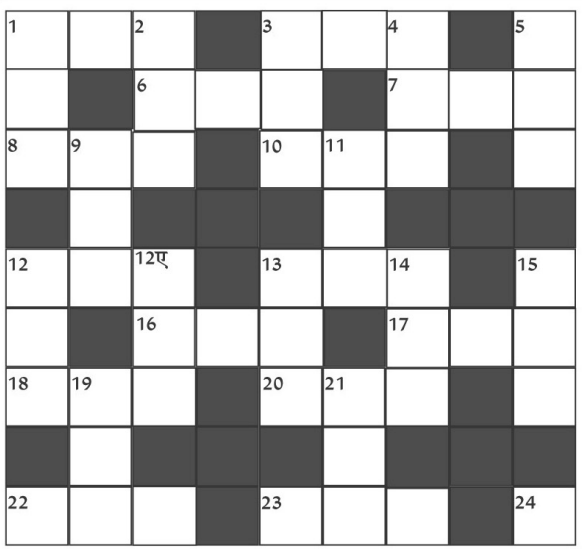

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 100 का हल

प	सं	द	■	सिं	हा	स	न	■
ख	■	म	ज	दू	र	■	का	म
वा	द	क	■	र	■	सं	ब	ल
ड़	■	ल	ज्जा	■	म	स्का	■	य
■	बा	■	■	बि	हा	र	■	■
सु	धा	क	र	■	न	■	■	औ
रं	■	म	■	कि	ता	ब	■	स
ग	■	अ	र	सा	■	हु	ज्ज	त
■	श	क्ल	■	न	मि	त	■	न

आदि साईकुमार की सुपरनैचुरल थ्रिलर शम्भाला- ए मिस्टिकल वर्ल्ड का टीजर आउट

होनहार हीरो आदि साईकुमार ने निर्देशक उगंधर मुनि के साथ मिलकर बहुप्रतीक्षित सुपरनैचुरल थ्रिलर शम्भाला- ए मिस्टिकल वर्ल्ड बनाई है, जिसका निर्माण राजशेखर अन्नाभिमोजू और महिधर रेड्डी शाइनिंग पिक्चर्स के बैनर तले कर रहे हैं। जैसे-जैसे फिल्म रिलीज के लिए तैयार हो रही है, निर्माताओं ने हाल ही में फिल्म के प्रमुख कलाकारों के फर्स्ट लुक पोस्टर जारी करके प्रचार शुरू कर दिया है। अब, उन्होंने फिल्म का टीज़र जारी करके अगला बड़ा कदम उठाया है।

टीज़र की शुरुआत एक शक्तिशाली वॉयसओवर से होती है, जिसमें एक रहस्यमयी टुकड़ा अंतरिक्ष से नीचे गिरता है और एक शांत गाँव में गिरता है। आवाज़ कहती है, इस ब्रह्मांड में अनगिनत अथाह रहस्य हैं। जब विज्ञान उन्हें समझा नहीं पाता, तो वह उन्हें अंधविश्वास कहता है। लेकिन जैसे ही उसे कोई स्पष्टीकरण मिल जाता है; वह उसे एक सफलता कहता है।

उस क्षण से, दुर्भाग्य की एक श्रृंखला शुरू होती है। मौत बार-बार और बिना किसी चेतावनी के हमला करती है। ऐसा लगता है कि टुकड़ा पाँच तत्वों पर नियंत्रण रखता है, जिससे गाँव में अराजकता फैल जाती है। गाँव के लोग अजीब तरह से व्यवहार करने लगते हैं, जैसे कि किसी अंधेरी शक्ति ने उन पर कब्ज़ा कर लिया हो।

वॉयसओवर जारी रहता है, पांच तत्वों को नियंत्रित करना कोई साधारण उपलब्धि नहीं है... इसका प्रभाव इतना व्यापक है कि हम इसकी वजह से आने वाली परिस्थितियों की कल्पना भी नहीं कर सकते।

इस उथल-पुथल के बीच, नायक बुरी ताकत को रोकने के लिए गांव में आता है। हालांकि, अब उस टुकड़े के द्वेषपूर्ण प्रभाव में आकर गांववाले उसके खिलाफ हो जाते हैं और हिंसक हमला कर देते हैं।

निर्देशक उगंधर मुनि ने एक अनूठी कहानी चुनी है और इसे मनोरंजक तरीके से प्रस्तुत किया है, जो सस्पेंस, रोमांच और साज़िश से भरपूर है। टीज़र प्रभावी ढंग से मुख्य पात्रों का परिचय देता है, जिनमें से प्रत्येक अस्थिर और असामान्य व्यवहार प्रदर्शित करता है जो रहस्य को बढ़ाता है।

आदि साईकुमार ने वीरतापूर्ण तरीके से प्रवेश किया है, जो इस भूमिका के लिए बिल्कुल उपयुक्त है। वह अपनी स्क्रीन उपस्थिति से प्रभावित करते हैं और कुछ गहन, उच्च-प्रभाव वाले स्टंट करते हैं। फिल्म में अर्चना अय्यर, स्वासिका, रवि वर्मा, मधुनंदन, शिवकार्तिक, वडिगेपल्ली रंगधाम और शैलजा प्रिया ने भी दमदार अभिनय किया है, जिन्होंने महत्वपूर्ण भूमिकाएँ निभाई हैं

तकनीकी मोर्चे पर, प्रवीण के बंगारी की शानदार सिनेमैटोग्राफी और श्रीचरण पकाला के दमदार बैकग्राउंड स्कोर के साथ टीज़र अलग नज़र आता है, जो तनाव और माहौल को और भी बेहतर बनाता है। प्रोडक्शन वैल्यू स्पष्ट रूप से बेहतरीन है, जो शिल्प कौशल के उच्च मानक को दर्शाता है।

कुल मिलाकर, इस आश्चर्यजनक टीज़र ने फ़िल्म के प्रति उत्सुकता को काफ़ी बढ़ा दिया है। उम्मीद है कि शम्भाला- ए मिस्टिकल वर्ल्ड के निर्माता जल्द ही रिलीज़ की तारीख़ की घोषणा करेंगे।

ऐश्वर्या अर्जुन और निरंजन सुधींद्र की सीता पायनम का टीजर रिलीज

एक्शन किंग अर्जुन एक बार फिर निर्देशक के तौर पर वापसी कर रहे हैं और इस फिल्म का नाम दिलचस्प है सीता पायनम। इस फिल्म में निरंजन मुख्य भूमिका में हैं जबकि अर्जुन की बेटी ऐश्वर्या मुख्य भूमिका में हैं। निर्माताओं ने फिल्म का टीजर रिलीज कर दिया है और यह युवा भावनाओं से भरपूर है। टीजर की शुरुआत निरंजन और ऐश्वर्या के कार यात्रा पर जाने और उसमें होने वाली दिलचस्प घटनाओं से होती है। फिल्म में सत्यराज, प्रकाश राज और कोवई सरला भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।

ऐश्वर्या को एक गंभीर और सीधी-सादी लड़की के रूप में देखा जा रहा है, जबकि निरंजन बिल्कुल इसके विपरीत एक खुशमिजाज व्यक्तित्व के धनी हैं।

अर्जुन और उनके भतीजे ध्रुव सरजा ने सभी को खुश करने के लिए कैमियो किया। फिल्म का संगीत अनूप रूबेंस ने तैयार किया है, जबकि जी। बालमुरुगन ने सिनेमैटोग्राफी संभाली है। साईं माधव बुर्रा ने मनोरंजक संवाद लिखे हैं।

अर्जुन खुद श्री राम फिल्म इंटरनेशनल के तहत फिल्म का निर्माण कर रहे हैं। यह फिल्म कन्नड़ में बनी है और क्रमश- तेलुगु और तमिल में रिलीज होगी।

रश्मिका मंदाना ने किया अपनी नई फिल्म का ऐलान!

हाल ही में रश्मिका मंदाना धनुष अभिनीत कुबेर से चर्चा में हैं। अभिनेत्री इसके अलावा कई और प्रोजक्ट्स पर काम कर रही हैं। अब एक्ट्रेस ने अपनी आगामी फिल्म का एक पोस्टर जारी किया है, जिसमें वो एक योद्धा के रूप में नजर आ रही हैं। इसके साथ ही उन्होंने फिल्म को लेकर एक बड़ी जानकारी साझा की है। आइए जानते हैं क्या है वह अपडेट।

अभिनेत्री रश्मिका मंदान ने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर की हैं। इसमें उन्होंने अपनी आगामी फिल्म का एक पोस्टर साझा किया, जिसमें उन्हें योद्धा के अवतार में देखा जा सकता है। पोस्टर में अभिनेत्री का चेहरा साफ नहीं दिख रहा है, लेकिन वो रौद्र रूप में दिख रही हैं और उनके हाथ में भाला भी है। उनके चारों तरफ तबाही का मंजर है और कुछ लोग उन पर हमला करने के लिए उनका पीछा कर रहे हैं, जिनका अभिनेत्री डटकर सामना करती दिख रही हैं।

रश्मिका मंदाना ने अपनी आगामी फिल्म का पोस्टर शेयर करते हुए, फिल्म के बारे में बड़ी जानकारी दी है। उन्होंने बताया की फिल्म के टाइटल की घोषणा शुक्रवार यानी कि 27 जून को सुबह 10 बजकर 8 मिनट पर होगी। इसके साथ ही अभिनेत्री ने स्टोरी के कैप्शन में लिखा कि उनकी इस फिल्म का टाइटल क्या होगा कोई बता सकता है। एक्ट्रेस ने कहा कि उन्हें लगता है कि कोई नहीं बता सकता, लेकिन अगर कोई बता देता है तो वह उनसे जरूर मिलेंगी।

रश्मिका मंदाना के करियर फ्रंट की बात करें तो इस समय अभिनेत्री धनुष की कुबेर में नजर आ रही हैं। वहीं उनकी आगामी फिल्मों की बात करें, तो वह हिंदी फिल्म थामा' के अलावा एक साउथ फिल्म में भी नजर आएंगी। थामा' में आयुष्मान खुराना लीड रोल में हैं। साउथ फिल्म गर्लफ्रेंड' में रश्मिका, विजय देवरकोंडा के अपोजिट दिखेंगी।

इंस्टाग्राम पर प्रियंका चहर चौधरी ने शेयर की ग्लैमरस तस्वीरें

टीवी एक्ट्रेस और बिग बॉस फेम प्रियंका चहर चौधरी एक बार फिर अपने स्टनिंग लुक को लेकर सुर्खियों में हैं। उन्होंने हाल ही में इंस्टाग्राम पर एक बोल्ड और ग्लैमरस फोटोशूट शेयर किया, जिसमें वो पिंक-पर्पल डीप नेक कटआउट ड्रेस में नजर आ रही हैं। इसके साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा - बरसात तो हो ही रही है ?सोचा-टिप-टिप लुक भी बरसा दो । प्रियंका का यह मॉनसून इंस्पायर्ड लुक सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। खुले बाल, न्यूड ग्लोइंग मेकअप और नेट थ्रग के साथ उनका यह अंदाज फैंस को दीवाना बना रहा है। कमेंट सेक्शन में यूज़र्स दिल और आग वाले इमोजी के साथ उनकी तारीफों के पुल बांध रहे हैं। एक यूज़र ने लिखा, टिप टिप, तो वहीं दूसरे ने कहा, हे भई!।

प्रियंका चहर चौधरी अपने स्टाइल स्टेटमेंट और फैशन सेंस के लिए जानी जाती हैं। इस बार भी उन्होंने साबित कर दिया कि वे फैशन और ट्रेंड्स को बखूबी समझती हैं। उनकी यह तस्वीरें कुछ ही घंटों में हजारों लाइक्स बटोर चुकी हैं।

प्रियंका का यह लुक न सिर्फ बोल्ड है, बल्कि एक परफेक्ट मानसून ग्लैमर स्टाइल भी है, जो आने वाले सीज़न के लिए फैशन इंस्पिरेशन बन सकता है।

जलवायु क्षेत्र में भारत की ग्यारह वर्षों की प्रगति

भूपेंद्र यादव

मानव द्वारा उत्पन्न जलवायु परिवर्तन के प्रभाव पूरी दुनिया में महसूस किए जा रहे हैं। जलवायु परिवर्तन पर अंतर-सरकारी पैनल (आईपीसीसी) की छठी आकलन रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि 2011-20 के दशक में पृथ्वी का तापमान, पूर्व-औद्योगिक काल (1850-1900) की तुलना में 1.1 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ गया है। साथ ही, विकसित देश वैश्विक कार्बन बजट में असंगत हिस्सेदारी रखने के बावजूद जलवायु कार्रवाई को गति देने के लिए आवश्यक साधन प्रदान करने के प्रति इच्छुक नहीं दिखाई देते।

इस वैश्विक परिदृश्य के बीच भारत के %सर्वे भवन्तु सुखिनः' के प्राचीन वैदिक सिद्धांत ने सहस्राब्दियों से मानव सभ्यता का मार्गदर्शन किया है। आज जब पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन के कारण अस्तित्व की चुनौती से जूझ रही है, तो जलवायु प्रबंधन के प्रति भारत की कालातीत वैदिक ज्ञान की प्रतिध्वनि विश्व को मार्ग दिखा रही है।

एक ओर, वैश्विक समुदाय अक्सर जलवायु परिवर्तन से उपजी तापमान वृद्धि, अनियमित मौसम पैटर्न और आपदाओं में वृद्धि जैसी 'असुविधाजनक सच्चाइयों' में उलझा हुआ है। दूसरी ओर, भारत ने %सुविधाजनक कार्रवाई' के दर्शन को सामने रखा है। हमारे सभ्यतागत लोकाचार में निहित इस दृष्टिकोण ने पिछले ग्यारह वर्षों में भारत को एक कर्तव्यनिष्ठ वैश्विक जलवायु नागरिक में बदल दिया है।

अथर्ववेद का एक श्लोक है,

यत् किञ्च पृथिव्यां पृथिवीमनुत्तं हितं चेद् तत् तवायतु।

मा नः पृथिव्याः परं हिंसिष्टात्।

पृथ्वी का जो कुछ भी हम खनन करते हैं, उसे जल्दी से भरने दें, हम पृथ्वी के प्राण-तत्वों पर आघात न करें और न ही उसके हृदय को क्षति पहुंचाएं।

यह श्लोक आधुनिक जलवायु विज्ञान से हज़ारों साल पहले के पुनर्निर्माण पर आधारित प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन के सिद्धांतों को दर्शाता है। इस प्राचीन ज्ञान को जलवायु कार्रवाई के प्रति हमारे दृष्टिकोण पर आधारित समकालीन नीतिगत ढाँचों में पिरोया गया है, जिससे पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक कार्रवाई का एक अनूठा तालमेल बना है।

इस दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए, 2014 में पदभार ग्रहण करने के कुछ सप्ताह के भीतर ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक सरल लेकिन दूरगामी प्रशासनिक निर्णय के माध्यम से अपनी जलवायु प्रतिबद्धता और दूरदर्शिता का परिचय दिया। पर्यावरण और वन मंत्रालय में %जलवायु परिवर्तन' को जोड़कर, उन्होंने जलवायु कार्रवाई को क्षेत्र-संबंधी चिंता के सीमित दायरे से निकालकर शासन की प्राथमिकता में ला दिया। 2015 में जलवायु परिवर्तन के लिए राष्ट्रीय अनुकूलन कोष का निर्माण इस प्रतिबद्धता का ही उदाहरण है, जिसके द्वारा राज्यों को जलवायु संकट से निपटने से संबंधित संसाधन प्रदान किए जाते हैं। कई राज्य सरकारों ने अपने स्वयं के जलवायु परिवर्तन विभाग स्थापित करके इस कदम का समर्थन किया, जिससे जलवायु कार्रवाई की एक संघीय व्यवस्था तैयार हुई।

2015 में, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, भारत ने वैश्विक जलवायु वार्ता में अग्रणी भूमिका निभाई। प्रधानमंत्री खुद पेरिस गए और पेरिस समझौते को अंतिम रूप देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे धरती के संरक्षण में भारत की उच्च स्तरीय प्रतिबद्धता स्पष्ट हुई। ऐसे देशों के विपरीत, जो जलवायु प्रतिबद्धताओं को बोझ के रूप में देखते हैं, भारत ने इसी वर्ष पेरिस में आयोजित कॉप-21 में अपने पहले राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी) को पूरा करके ठोस कार्रवाई का प्रदर्शन किया। यह देश की घरेलू अनिवार्यताओं और अपनी राष्ट्रीय परिस्थितियों द्वारा निर्देशित वैश्विक समुदाय के प्रति हमारी जिम्मेदारी का प्रकटीकरण था।

पेरिस समझौते पर हस्ताक्षर करने के समय यानी 2015 में ही एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) का गठन हुआ, जो लगातार मजबूत होता गया और आज 120 से अधिक देश इसके सदस्य हैं। इस गठबंधन ने सौर ऊर्जा संपन्न देशों के लिए स्वच्छ ऊर्जा समाधानों पर सहयोग करने हेतु एक मंच तैयार किया है। नवीकरणीय ऊर्जा (आरई) को दिए गए प्रोत्साहन से, इसकी स्थापित क्षमता 2014 के मात्र 76 गीगावाट से बढ़कर मार्च 2025 में 220 गीगावाट हो गई है और 2030 तक इसके 500 गीगावाट तक पहुंचने की संभावना है। स्थापित क्षमता के संदर्भ में भारत की बात करने तो हम आरई में चौथे, पवन ऊर्जा में चौथे और सौर ऊर्जा में तीसरे स्थान पर हैं। एक दशक में यह एक उल्लेखनीय उपलब्धि है।

सरकार द्वारा अपनी कई योजनाओं के माध्यम से परिवर्तनकारी जलवायु कार्रवाई के लिए भारत की प्रतिबद्धता को गति प्रदान की गई है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (2016) से लाखों महिलाओं को खाना पकाने के लिए स्वच्छ ईंधन मिला, जो दर्शाता है कि जलवायु कार्रवाई का सामाजिक न्याय के साथ तालमेल कैसे बिठाना चाहिए। पीएम-कुसुम योजना (2019) ने किसानों को सौर ऊर्जा समाधानों के जरिये सशक्त बनाया, वहीं रूफटॉप सौर कार्यक्रम से पूरे देश में नवीकरणीय ऊर्जा को अपनाने में तेजी आयी है।

माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 23 सितंबर, 2019 को न्यूयॉर्क शहर में आयोजित संयुक्त राष्ट्र जलवायु कार्रवाई शिखर सम्मेलन में आपदा रोधी अवसंरचना गठबंधन (सीडीआरआई) की घोषणा की, जिसकी औपचारिक शुरुआत 28 अगस्त, 2019 को हुई थी। इससे आपदा-रोधी अवसंरचना विकास को बढ़ावा देने में एक वैश्विक साझेदारी का निर्माण हुआ। स्वीडन के साथ साझेदारी में लीडआईटी (उद्योग में बदलाव के लिए नेतृत्व समूह) बनाया गया, जो जलवायु लक्ष्यों के लिए औद्योगिक बदलाव के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। सौर विनिर्माण (2020) के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना से घरेलू सौर विनिर्माण क्षमता मजबूत हुई, आयात पर निर्भरता कम हुई और एक मजबूत स्वदेशी सौर इकोसिस्टम का निर्माण हुआ।

2021 में ग्लासगो में आयोजित कॉप 26 में भारत ने देश के जलवायु परिदृश्य को और मजबूत करते हुए ऐतिहासिक घोषणाएँ कीं। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा अपने वक्तव्य में भारत के महत्वाकांक्षी अभियान पंचामृत की घोषणा की गई। पंचामृत यानी पाँच अमृत तत्व, जिसमें जलवायु प्रतिबद्धता को बढ़ाना और 2070 तक नेट-जीरो उत्सर्जन का लक्ष्य हासिल करना शामिल है। इसी संबोधन के दौरान, प्रधानमंत्री ने मिशन लाइफ़ - पर्यावरण के लिए जीवनशैली की शुरुआत की, ताकि वैश्विक स्तर पर नागरिकों को जलवायु परिवर्तन के खिलाफ़ सामूहिक लड़ाई में शामिल किया जा सके। इस ऐतिहासिक प्रतिबद्धता ने भारत को विकासशील देशों के बीच जलवायु नेतृत्वकर्ता के रूप में स्थापित किया।

2 नवंबर, 2021 को ग्लासगो में कॉप 26 के दौरान, प्रधानमंत्री मोदी ने आईआरआईएस (सुदृढ़ द्वीप देशों के लिए अवसंरचना) लॉन्च किया, जिसमें ऑस्ट्रेलिया, फिजी, जमैका, मॉरीशस और यूके के प्रधानमंत्रियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम से जलवायु-संवेदनशील देशों के प्रति वैश्विक एकजुटता प्रदर्शित की गई।

भारत ने 2022 में अपने एनडीसी को परिवर्तित करते हुए उसमें संरक्षण और संयम की परंपराओं और मूल्यों के आधार पर स्वस्थ और सतत जीवन शैली को बढ़ावा देने के लिए एक गुणात्मक लक्ष्य के रूप में मिशन लाइफ को शामिल किया। इसी क्रम में, नवंबर 2022 में भारत ने अपनी दीर्घकालिक कम उत्सर्जन विकास रणनीति (एलटी-एलईडी) प्रस्तुत की, जिसमें 2070 तक नेट-जीरो उत्सर्जन का लक्ष्य हासिल करने के साथ-साथ सतत विकास के लिए एक रूपरेखा प्रदान की गई है। इसी वर्ष राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन का शुभारंभ हुआ, जिससे भारत हरित हाइड्रोजन उत्पादन और निर्यात में एक वैश्विक केंद्र के रूप में उभरा, जो ऊर्जा स्वतंत्रता और स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों को अपनाने की हमारी दृष्टि के अनुरूप है।

वर्ष 2023 में विकसित भारत 2047 की घोषणा, एक महत्वपूर्ण उपलब्धि साबित हुई, जो 2047 तक पारिस्थितिकी और अर्थव्यवस्था तथा प्रकृति और प्रगति के बीच एक नाजुक संतुलन बनाए रखते हुए विकसित राष्ट्र बनने के प्रति भारत का विज़न है। भारत की जलवायु कार्रवाई, 2047 तक विकसित भारत के विज़न के अनुरूप है। जलवायु परिवर्तन को कम करने की दिशा में कार्रवाई के अलावा, भारत ने व्यापक जलवायु रिपोर्टिंग का प्रदर्शन करते हुए द्विवार्षिक प्रगति रिपोर्ट के साथ अपना अनुकूलन संवाद भी प्रस्तुत किया है।

2024 में बदलाव लाने वाली दो नागरिक केंद्रित पहलों की शुरुआत हुई। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना ने सौर ऊर्जा तक पहुँच को लोकतांत्रिक बनाया, जबकि एक पेड़ माँ के नाम के शुभारंभ ने वनीकरण को एक जन आंदोलन का रूप दिया। इन कार्यक्रमों के जरिये प्रत्येक नागरिक को जलवायु कार्रवाई में योगदान देने के लिए सशक्त बनाया गया। ऊर्जा सुरक्षा और स्थायित्व हासिल करने के लिए परमाणु ऊर्जा को एक महत्वपूर्ण घटक के रूप में मान्यता देते हुए, 2025 में विकसित भारत के लिए राष्ट्रीय ऊर्जा मिशन और राष्ट्रीय विनिर्माण मिशन का शुभारंभ किया गया। आम बजट 2025-26 में इसके लिए 20,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इस बजट के साथ यह परमाणु ऊर्जा मिशन, छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर (एसएमआर) के अनुसंधान और विकास पर ध्यान केंद्रित करता है, जिसका लक्ष्य 2033 तक कम से कम पांच स्वदेशी रूप से डिजाइन किये गये और संचालन योग्य एसएमआर विकसित करना है। निस्संदेह यह मिशन भारत को अगली पीढ़ी की परमाणु प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अग्रणी देश के रूप में स्थापित करेगा।

भारत 2030 तक अपने उन्नत एनडीसी को प्राप्त करने के लिए प्रगति-पाथ पर तेज़ी से आगे बढ़ रहा पर है और 2030-35 की अवधि के लिए एनडीसी के संशोधन की तैयारी कर रहा है। भारत जलवायु कार्रवाई में निरंतर सुधार का प्रदर्शन कर रहा है और संभावना है कि देश शीघ्र ही पहली राष्ट्रीय अनुकूलन योजना भी प्रस्तुत करेगा।

भारत, शमन उपायों के माध्यम से आपूर्ति पक्ष पर और व्यक्तिगत स्तर पर पर्यावरण-अनुकूल जीवन शैली को बढ़ावा देकर मांग पक्ष पर जलवायु कार्रवाई कर रहा है।

सबसे उल्लेखनीय बात यह है कि भारत ने जनभागीदारी के आह्वान के साथ जलवायु कार्रवाई को सरकारी जिम्मेदारी से एक जन आंदोलन में बदल दिया है।

भारत की अंतर्राष्ट्रीय जलवायु पहल वसुधैव कुटुम्बकम के प्राचीन भारतीय सिद्धांत को मूर्त रूप देती है। अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए), आपदा रोधी अवसंरचना के लिए गठबंधन (सीडीआरआई), वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन, लीडआईटी और अंतर्राष्ट्रीय बिग कैट गठबंधन (आईबीसीए) चुनौतियों पर अटके रहने के बजाय, सिद्धांतों पर अमल करने और समाधान साझा करने की भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

भारत की जी 20 अध्यक्षता के दौरान, पर्यावरण और जलवायु कार्य समूह से अलग कई अन्य कार्य समूहों में जलवायु संबंधी विचारों को मुख्यधारा में लाया गया। विकास कार्य समूह ने सतत विकास के लिए जीवनशैली पर ध्यान केंद्रित किया, जबकि ऊर्जा कार्य समूह ने न्यायसंगत और समावेशी ऊर्जा स्रोतों में बदलाव पर ध्यान केंद्रित किया। यह पहले दिखाती हैं कि जलवायु संबंधी चिंताएँ क्षेत्रीय सीमाओं को कैसे पार करतीं हैं। भारत ने वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन की भी शुरुआत की, जिससे स्थायी जैव ईंधन पर अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के लिए एक मंच तैयार हुआ।असुविधाजनक सत्य को सुविधाजनक कार्रवाई में बदलते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने सिद्ध किया है कि जलवायु नेतृत्व के लिए न केवल वैज्ञानिक समझ की आवश्यकता होती है, बल्कि मानवीय कार्रवाई को प्राकृतिक सामंजस्य के साथ जोड़ने की समझ की भी जरूरत होती है।

(लेखक केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री हैं)

सू- दोकू क्र.001

	9		1	6		2		7
3								
		6					9	
7			5		1		3	
	8			9		6		2
		4					7	
	3				2	9		6
6		7	3					4
	4			1		7	8	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.100का हल

2	6	3	9	8	7	1	5	4
8	5	1	3	2	4	6	7	9
9	4	7	1	5	6	8	2	3
3	9	8	6	7	1	5	4	2
6	1	2	5	4	3	9	8	7
5	7	4	8	9	2	3	1	6
1	2	6	7	3	5	4	9	8
4	8	5	2	6	9	7	3	1
7	3	9	4	1	8	2	6	5

मुख्यमंत्री ने किया कलश यात्रा का फ्लैग ऑफ

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भगवान सूर्य की मूर्ति के जलाभिषेक के लिए कलश यात्रा का फ्लैग ऑफ किया।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री आवास से कुशीनगर जनपद में भगवान सूर्य की मूर्ति के जलाभिषेक के लिए कलश यात्रा का फ्लैग ऑफ किया। कुशीनगर में सूर्य की मूर्ति के जलाभिषेक के लिए देश से लगभग 151 पवित्र नदियों का जल एकत्र किया जा रहा है। इसी क्रम में देवभूमि उत्तराखंड की पवित्र नदियों से एकत्रित जल की कलश यात्रा को मुख्यमंत्रीने रवाना किया। इस दौरान महामंडलेश्वर 1008 डॉक्टर स्वामी संतोषानंद देव महाराज, पूर्वांचल महोत्सव समिति के अध्यक्ष विनय राय और समिति के सदस्यों मौजूद रहे।

दून की धड़कन घंटाघर अपने यौवन पर

❑संवरते घंटाघर का नजारा मोह रहा है राहगीरों का मन

संवाददाता

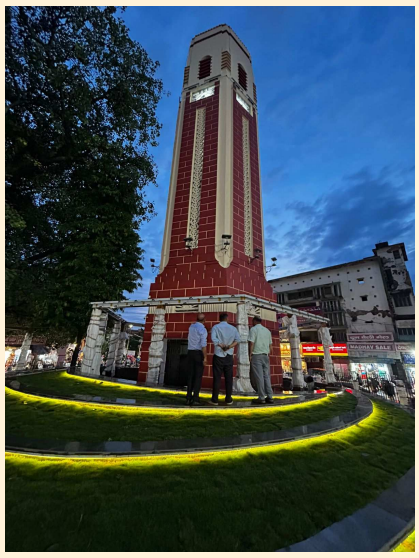

देहरादून। दून के घंटाघर का नजारा राहगीरों का मन मोह रहा है, जिससे साफ हो गया है कि दून की धडकन घंटाघर अपने यौवन पर है।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की प्रेरणा से जिलाधिकारी सविन बंसल शहर को सुगम, सुरक्षित और सुंदर बनाने में जुटे है। वही शहर में एक के बाद एक योजना को धरातल पर उतार रहे हैं, इसी कड़ी में शहर की धड़कन घंटाघर को अपनी अलौकिक स्वरुप में विकसित करने का कार्य युद्ध स्तर पर जारी है। निर्माण कार्यों का जिलाधिकारी स्वयं मॉनिटरिंग कर कार्यों को तेजी से पूर्ण करने हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। देहरादून जनपद ही नहीं बल्कि उत्तराखण्ड राज्य की ऐतिहासिक शहर की धड़कन घंटाघर को जिलाधिकारी एवं उनके टीम द्वारा घण्टाघर की स्थलीय भू-भाग में नया लुक तराश रहे हैं, ताकि आवागमन करने वाले राहगीरों को मन मोहक नजारा देखने को मिल सके, और वे देहरादून शहर की धड़कन घंटाघर की सुंदर स्मृति अपने साथ ले जा सके।

जिला प्रशासन ने 24 घंटे भीतर तैयार कराया आपदाग्रस्त बटोली गांव में दूसरा वैकल्पिक रास्ता। पहले रास्ते की तुलना में छोटा है नया रास्ता। डीएम सविन बंसल ने निरीक्षण के दौरान दिए थे, सुगम एवं छोटा रास्ता तैयार करने के निर्देश।

ऋण जमा अनुपात बढ़ाने पर दिया जाए विशेष जोरः मुख्यमंत्री

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि ऋण प्रक्रियाओं और बीमा क्लेम में सरलीकरण हो, ऋण जमा अनुपात बढ़ाने पर विशेष जोर दिया जाये।

आज यहां केन्द्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं का लोगों को पूरा लाभ मिले, इसके लिए लाभार्थियों को विभिन्न योजनाओं के तहत ऋण देने की प्रक्रियाओं का और सरलीकरण किया जाए। जन समस्याओं का समाधान करना हमारी शीर्ष प्राथमिकता हो। कृषि बीमा योजनाओं में बीमा क्लेम की प्रक्रियाओं के सरलीकरण की दिशा में विशेष ध्यान दिया जाए। जनपदों में ऋण जमा अनुपात बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जाए। ये निर्देश मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने सचिवालय में राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति की विशेष बैठक के दौरान अधिकारियों को दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य का ऋण जमा अनुपात बढ़ाने की दिशा में और प्रयास किए जाएं। वित्तीय वर्ष 2024-25 में राज्य का ऋण जमा अनुपात 54 प्रतिशत से बढ़कर 54.26 प्रतिशत हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसे 60 प्रतिशत तक ले जाने के लिए और प्रभावी प्रयास किए जाएं। राज्य के पर्वतीय जनपदों, विशेषकर टिहरी, पिथौरागढ़, रुद्रप्रयाग, अल्मोड़ा, पौड़ी और बागेश्वर जनपदों में ऋण जमा अनुपात बढ़ाने के लिए विशेष ध्यान दिया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लोगों को एक ही स्थान पर एक ही दिन में मिले, इसके लिए अक्टूबर में सभी जनपदों में बड़े स्तर पर कैम्प का आयोजन किया जाए, जिसमें सभी विभाग और बैंकर्स साथ बैठकर जन समस्याओं का समाधान करें और उन्हें विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित करें। बैठक में जानकारी दी गई कि उत्तराखंड में प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के अंतर्गत प्रति लाख पर 48 हजार व्यक्तियों को बीमा कवरेज प्राप्त हुआ है, जो राष्ट्रीय औसत 40 हजार से अधिक है। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के अंतर्गत राज्य में प्रति ऋणकर्ता को औसत ऋण राशि 93,900 रुपये वितरित की गई है, जो राष्ट्रीय औसत 62,686 की तुलना में काफी अधिक है। प्रधानमंत्री जन-धन योजना के अंतर्गत राज्य में अब तक 39 लाख खाते खोले जा चुके हैं, यह आंकड़ा पर्वतीय राज्यों में सबसे अधिक है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में राज्य में अग्रिमों में 10.26 प्रतिशत और जमा में 9.09 प्रतिशत की वृद्धि रही। राज्य सरकार की वीर चंद्र सिंह गढ़वाली योजना एवं मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के अंतर्गत पिछले तीन वर्षों में निरंतर अच्छी प्रगति रही। राज्य के कुल 06 लाख 10 हजार 636 किसानों ने के.सी.सी. सुविधा का लाभ लिया है, जिनमें से 67 प्रतिशत छोटे और सीमांत किसान हैं। राज्य में 70.23 प्रतिशत स्वयं सहायता समूहों का क्रेडिट लिंकेज है। विगत तीन वर्षों में एस.एच.जी. की संख्या में 21 प्रतिशत वृद्धि हुई है।

बैठक में मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, प्रमुख सचिव आर.के. सुधांशु, आर. मीनाक्षी सुंदरम, सचिव दिलीप जावलकर, नितेश कुमार झा, श्रीमती राधिका झा, श्रीधर बाबू अदांकी, आरबीआई के रीजनल डायरेक्टर अरविंद कुमार, एसबीआई के मुख्य महाप्रबंधक देवाशीष मिश्रा, अपर सचिव श्रीमती रंजना राजगुरु, हिमांशु खुराना, मनमोहन मैनाली और संबंधित बैंकों के अधिकारी उपस्थित थे।

डीजीपी ने लिया मां गंगा का आशीर्वाद

हरिद्वार (हसं)। कांवड़ मेला सकुशल सम्पन्न कराने के लिए आज डीजीपी उत्तराखण्ड द्वारा मां गंगा की शरण में आकर उनका आर्शीवाद लिया गया। उन्होने मातहत पुलिस ऑफिसर्स संग हर की पैड़ी हरिद्वार पहुंचकर मां गंगा की पूजा अर्चना की आज कांवड़ मेले की तैयारियों को परखने हरिद्वार पहुंचे डीजीपी उत्तराखंड दीपम सेठ द्वारा हर की पैड़ी पर मां गंगा का पूजन कर सकुशल मेला सम्पन्न कराए जाने हेतू मां गंगा का आशीर्वाद लिया। इस दौरान उनके साथ पुलिस महानिरीक्षक अपराध एवं कानून व्यवस्था नीलेश आनंद भरणे, जिलाधिकारी मयूर दीक्षित व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेन्द्र सिंह डोबाल सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

'साइबर अपराधों की नवीन प्रवृत्तिया' विषय पर कार्यशाला आयोजित

संवाददाता

देहरादून। सूचना प्रौद्योगिकी विकास ऐजेंसी द्वारा साइबर जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत साइबर अपराधों की नवीन प्रवृतियां विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया।

आज यहां सूचना प्रौद्योगिकी विकास ऐजेंसी, उत्तराखंड सरकार द्वारा साइबर जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत 'साइबर अपराधों की नवीन प्रवृत्तियाँ' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। यह कार्यशाला नितेश झा, सचिव सूचना प्रौद्योगिकी, उत्तराखंड शासन के दिशा-निर्देशों के अनुरूप आयोजित की गई। उन्होंने यह स्पष्ट किया है कि राज्य सरकार के कार्यालयों में साइबर सुरक्षा को सुदृढ़ करने तथा अधिकारियों के बीच साइबर हाइजीन व जागरूकता बढ़ाने के लिए इस प्रकार की कार्यशालाओं का नियमित आयोजन अत्यंत आवश्यक है। इन्हीं दिशानिर्देशों की निरंतरता में इस कार्यशाला की योजना बनाई गई। कार्यक्रम में 125 से अधिक अधिकारी भौतिक रूप से सीएसआई सभागार, देहरादून में उपस्थित रहे, जबकि राज्य के 50 से अधिक कार्यालयों ने जूम प्लेटफॉर्म के माध्यम से वर्चुअल भागीदारी सुनिश्चित की। कार्यक्रम की शुभारंभ गौरव कुमार, निदेशक, आईटीडीए के स्वागत भाषण से हुआ, जिसमें उन्होंने साइबर सुरक्षा की वर्तमान चुनौतियों व उससे निपटने की रणनीतियों पर विचार रखे। इसके उपरांत तीरथ पाल सिंह, अपर निदेशक, आईटीडीए ने कार्यशाला की प्रासंगिकता और उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए संदर्भ प्रस्तुति दी। मुख्य वक्ता राहुल मिश्रा, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ एवं उत्तर प्रदेश पुलिस के सलाहकार, लखनऊ से विशेष रूप से आमंत्रित थे। उन्होंने साइबर अपराधों की बदलती प्रवृत्तियों, हालिया केस स्टडीज तथा साइबर अपराधियों की तकनीकों से बचाव के उपायों पर विस्तृत व्याख्यान दिया। इसके अतिरिक्त, सीआईआरटी यूके टीम के सदस्यों आशीष उपाध्याय एजीएम साइबर सुरक्षा, आईटीडीए एवं शिवम, रजत, तथा ऋषभ ने राज्य में लागू साइबर सुरक्षा पहल, विभागीय आईटी प्रणालियों की सुरक्षा और साइबर अनुपालन प्रक्रियाओं पर जानकारी दी। कार्यक्रम का समापन इंटरएक्टिव प्रश्नोत्तर सत्र और फीडबैक सेशन के साथ हुआ, जिससे अधिकारियों को अपने विभागों में साइबर सुरक्षा को और बेहतर ढंग से लागू करने की दिशा में मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। यह कार्यशाला राज्य सरकार के डिजिटल बुनियादी ढांचे को सुरक्षित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध हुई है और आईटीडीए भविष्य में भी इसी प्रकार के सत्रों का आयोजन करता रहेगा।

कावड़ यात्रा शुरू: हरिद्वार में उमड़ा शिव भक्तों का सैलाब

विशेष संवाददाता

हरिद्वार। आज सावन के पहले दिन की शुरुआत के साथ ही कांवड़ यात्रा का आगाज हो चुका है। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच आज शुरू हुई कांवड़ यात्रा के पहले दिन भारी संख्या में शिव भक्तों की भीड़ हरिद्वार के गंगा घाटों पर दिखाई दी। आज से कावड़ यात्रा के लिए तैयार किया गया रूट डायवर्सन भी लागू हो गया है। हरिद्वार पहुंचे डीजीपी दीपम सेठ ने इन सभी शिव भक्तों से नियम कानूनों का पालन करने की अपील की तथा उनकी यात्रा मंगलमय रहे इसकी शुभकामनाएं भी दी गई है।

वर्तमान कावड़ यात्रा को समय के हिसाब से दो चरणों में बांटा गया है पहला चरण 17 जुलाई तक होगा तथा दूसरा चरण 18 जुलाई से 23 जुलाई तक चलेगा। पहले चरण में दूर दराज के राज्यों के कांवड़ियों की संख्या अधिक रहती है जिन्हें अपने गंतव्य तक पहुंचने

❑पुलिस-प्रशासन सतर्क, चप्पे-चप्पे पर नजर
❑कांवड़ियों से नियमों का पालन करने की अपील

में लंबा समय लगता है दूसरे चरण में आसपास के राज्यों व सीमावर्ती जिलों के कांवड़िया अधिक आते हैं जिससे भीड़ भी अधिक रहती है। भले ही आज से रूट डायवर्जन लागू हो गया लेकिन मुख्य मार्गों पर भारी वाहन ही प्रतिबंधित हैं आज पहले ही दिन कांवड़ियों की भारी भीड़ के कारण हरिद्वार-दिल्ली हाईवे पर भी कांवड़ियों का पूर्ण कब्जा दिखा। इस दौरान कई जगहों से रेस्टोरेंट व ढाबो में कांवड़ियों द्वारा उत्पात की खबरें भी आई है।

कांवड़ मेला क्षेत्र में पुलिस प्रशासन द्वारा कड़े सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं। मेला क्षेत्र की निगरानी में ड्रोन व सीसीटीवी कैमरों की मदद ली जा रही है जल पुलिस से लेकर एटीएस तक की तैनाती की गई है। आज हरिद्वार में कांगड़ा घाट पर छह कांवड़िये गंगा के तेज बहाव में बह गए जिन्हें रेस्क्यू कर किसी तरह उनकी जान बचा ली गई।

पुलिस द्वारा कांवड़ियों से अनुरोध किया गया है कि वह किसी तरह का नशा न करें तथा किसी अनजान व्यक्ति द्वारा दी गई चीज न खाएं और गहरे पानी में जाने का प्रयास न करें तथा छोटी-छोटी बातों को लेकर झगड़े में न उलझे तथा घाटों पर गंदगी न फैलाएं व खुले में शौच न जाए 17 जुलाई के बाद पुलिस-प्रशासन द्वारा नियमों को और अधिक सख्त करने की बात भी कही गई। कावड़ यात्रा के दौरान हरिद्वार के स्कूल-कॉलेजों को बंद रखने की व्यवस्था की गई। कांवड़ यात्रा मार्गों पर होटल ढाबों के लिए अलग से एसओपी भी जारी की गई है। तमाम सख्त इंतजामों के बीच भी क्राउड कंट्रोल पुलिस के लिए बड़ी चुनौती है।

125 किलो डायनामाइट बरामद

❑तीन गिरफ्तार, नहीं दिखा सके कागजात

हमारे संवाददाता

देहरादून। राजधानी देहरादून में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां एक कार से 125 किलोग्राम डायनामाइट बरामद करने के साथ ही पुलिस ने हिमाचल निवासी तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार बीती रात थाना त्यूणी पुलिस को सूचना मिली कि कुछ संदिग्ध लोग क्षेत्र में एक कार सहित घूम रहे है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस को एक संदिग्ध आल्टो कार आती हुई दिखायी दी। पुलिस ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो कार सवार कार तेजी से दौड़ाने लगा। इस पर पुलिस ने उनका पीछा कर उन्हे आगे रोक लिया। कार सवार तीन लोगों को कब्जे में लेकर जब उस कार की तलाशी ली गयी तो उसमें 5 पेटी डायनामाइट कुल वजन 125 कि.ग्राम बरामद हुआ। इस पर पुलिस ने उन तीनों व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उन्होने अपना नाम रिंकू पुत्र पानू राम ग्राम बलंग थाना ठियोग शिमला हिमाचल प्रदेश, रोहित पुत्र बिशन सिंह ग्राम रोणाहाट थाना सिलाई सिरमौर हिमाचल प्रदेश व सुनील पुत्र केवल राम ग्राम सैडोली थाना कोटखाई शिमला हिमाचल प्रदेश बताया। पुलिस ने जब उनसे उक्त विस्फोटक पदार्थ को परिवहन करने के संबंध में आवश्यक दस्तावेज मांगे गए तो वह दिखा नहीं पाए। जिस पर पुलिस ने उनके खिलाफ विस्फोटक अधिनियम की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उन्हे न्यायालय में पेश कर दिया है।

चाइनीज मांझे में उतरे करंट से पति की मौत, पत्नी गम्भीर

रामपुर (हसं)। चाइनीज मांजे में उतरे करंट की चपेट में आकर बाइक सवार पति-पत्नी गम्भीर रूप से घायल हो गये। स्थानीय लोगों ने पति-पत्नी को अस्पताल पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने पति को मृत घोषित कर दिया जबकि पत्नी की हालत चिंताजनक बनी हुई है। मामला गंज थाना क्षेत्र के पहाड़ीगेट के पास का है। बताया जा रहा है कि बीते रोज बाइक से अस्पताल खाना लेकर जा रहे एक दंपती, जहां उनका रिश्तेदार भर्ती था जैसे ही दंपती मैरिज हॉल के पास पहुंचे, पतंग उड़ाते समय चाइनीज मांझा पास से गुजरी बिजली लाइन के संपर्क में आ गया। मांझा आशा के हाथ पर गिरते ही महिला बेहोश हो गई। पति रामचंद्र उसे बचाने गया, तो वह भी करंट की चपेट में आ गया और मौके पर ही झुलस गया। राहगीरों ने किसी तरह दंपती को मांझे से छुड़ाया और अस्पताल पहुंचाया लेकिन डॉक्टरों ने रामचंद्र को मृत घोषित कर दिया। जबकि पत्नी आशा की हालत गंभीर बनी हुई है और उसका इलाज अस्पताल में जारी है।

पांच लुटेरे गिरफ्तार: 9 वाहन, 9 मोबाइल और हथियार बरामद

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। पुलिस ने पांच शातिर लुटेरों को गिरफ्तार कर लिया है जिनके पास से चुरायी व लूटी गयी 9 बाइक, 9 मोबाइल व एक तमंचा बरामद किया गया है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक उधमसिंहनगर मणिकांत मिश्रा ने बताया कि बीती 7 जुलाई को गायत्री पार्क के सामने आवास विसास ट्रांजिट कैम्प में रात्रि 1.20 मिनट अनिल कुमार नामक एक व्यक्ति से बदमाशों ने तमंचे के बल पर मोबाइल व नगदी लूट की घटना को अंजाम दिया था। जिसके सम्बन्ध में 9 जुलाई को थाना ट्रांजिट केम्प में मुकदमा दर्ज कर लुटेरों की तलाश शुरू कर दी गयी। लुटेरों की तलाश में जुटी पुलिस टीमो द्वारा बीती रात एक सूचना के आधार पर

सिडकुल रोड पर यू के इण्डिया स्कैफोल्डिंग कम्पनी के पास झड़ियों से (परशुराम चौक से वनखन्डी रोड) पांच बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया गया। जिनके पास से लूट व चोरी की 9 बाइक, 9 मोबाइल व एक तमंचा बरामद किया गया है। पूछताछ में उन्होने अपना नाम शिवम गुप्ता पुत्र पिंटू गुप्ता हाल निवासी ग्राम भगौतीपुर थाना मीरगंज जिला बरेली उत्तर प्रदेश हाल निवासी शांति विहार भूरारानी कोतवाली रुद्रपुर जिला उधमसिंह, राजेश कुमार पुत्र होरीलाल मूल निवासी शेरगढ़ मोहल्ला बरिपुरा थाना शेरगढ़ जिला बरेली उत्तर प्रदेश हाल निवासी डिबडिबा आश्रम वाली गली थाना बिलासपुर जिला रामपुर उत्तर प्रदेश, विशाल उपाध्याय पुत्र प्रदीप उपाध्याय मूल निवासी ग्राम उसेला ओला थाना ओला जिला बरेली उत्तर प्रदेश ढाल निवासी सामिया गुलमोहर थाना रुद्रपुर जिला उधम सिंह नगर, केशव पुत्र गुनी राम निवासी शिवनगर लियर शिव मंदिर थाना ट्रांजिट कैंप जिला उधम सिंह नगर व जवाब कुमार उर्फ पंवार पुत्र पप्पू कुमार मूल निवासी ग्राम ज्वालापुर भैसिया तहसील व थाना बिलासपुर उत्तर प्रदेश हाल निवासी शुक्र बाजार भूरारानी थाना रुद्रपुर जिला उध मसिंह नगर बताया।

जनता के पत्र सिर्फ कागज नहीं, विश्वास का प्रतिबिम्ब होते हैं: धामी

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जनसमस्याओं पर फरियादियों से बात करते हुए कहा कि जनता के पत्र सिर्फ कागज नहीं, उम्मीद और विश्वास का प्रतिबिम्ब होते हैं।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने, मुख्यमंत्री कार्यालय को पत्र भेजकर अपनी समस्या बताने वाले फरियादियों से बातचीत करते हुए अधिकारियों को उन पर उचित कार्रवाही के निर्देश दिए हैं। डोईवाला तहसील के शेरगढ़ निवासी कर्मचंद ने शिकायत दर्ज कराई थी, कि उनके खेत के लिए आने वाली सिंचाई नहर, टूट गई है, जिस कारण सिंचाई का संकट खड़ा हो गया है। मुख्यमंत्री ने

❑मुख्यमंत्री ने जनसमस्याओं पर की फरियादियों से बात

उनसे पूरी समस्या सुनने के बाद, प्रमुख अभियंता सिंचाई विभाग को मामले में उचित कार्यवाही के निर्देश दिए हैं। इसी तरह मेजर नरेश कुमार सकलानी ने उनकी भूमि पर निजी व्यक्तियों द्वारा अतिक्रमण कर लधु सिंचाई नहर बनाने की शिकायत दर्ज की गई, जिस पर मुख्यमंत्री धामी ने जिलाधिकारी देहरादून को तत्काल कार्यवाही के निर्देश दिए हैं। एक अन्य शिकायतकर्ता कैनाल रोड निवासी धीरेंद्र शुक्ला ने बिल्डर के खिलाफ परेशान करने की शिकायत दर्ज कराई है, मुख्यमंत्री ने एमडीडीए को इस प्रकरण में जांच करने को कहा है। विकासनगर दिनकर विहार निवासी विशन दत्त शर्मा की सड़क संबंधित शिकायत पर भी मुख्यमंत्री ने सचिव लोक निर्माण विभाग को कार्यवाही के निर्देश दिए हैं। जनता के पत्र सिर्फ कागज नहीं, उम्मीद और विश्वास का प्रतिबिम्ब होते हैं, आज ऐसे ही कुछ शिकायती पत्र पढ़ने के बाद मैने संबंधित शिकायतकर्ताओं से बात की। साथ ही अधिकारियों को इन पर तत्काल कार्यवाही के निर्देश दिए हैं। समाधान ही हमारी सरकार की कार्यशैली की सबसे बड़ी पहचान है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।